No. 11 (112)-3Lab-79/8188.—In pursuance of the provision of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act No. XIV of 1947), the Governor of Haryana is pleased to publish the following award of the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Faridabad, in respect of the dispute between the workmen and the management of M/s Sunrise Woollen & Silk Mills, Faridabad.

BEFORE SHRI NATHU RAM SHARMA, PRESIDING OFFICER, INDUUSTRIAL TRIBUNAL, HARYANA, FARIDABAD

Reference No. 59 of 1979

between

THE WORKMEN AND THE MANAGEMENT OF M/S SUNRISE WOLLEN & SILK MILLS, FARIDABAD

Present :

Shri Adarsh Kishore for the workmen.

Shri S. L. Gupta for the management,

AWARD

By order No. FBD/128-78/5374, dated 6th February, 1979, the Governor of Haryana referred the following dispute between the management of M/s. Sunrise Woollen & Silk Mills, Faridabad and its workmen, to this Tribunal, for adjudication, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947:—

Whether the workmen are entitled to the grant of bonus for the year 1977-78 ? If so, with what details ?

On receipt of the order of reference, notices were issued to the parties. The parties appeared, settled the dispute and filed the settlement. I have gone through the settlement. It is just and proper. I give my award in terms of the settlement. The settlement shall form part of the award.

The 13th July, 1979.

NATHU RAM SHARMA,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Haryana,
Faridabad.

No. 674, dated the 21st July, 1979.

Forwarded (four copies along with four copies of settlement) to the Secretary to Government, Haryana, Labour & Employment Departments, Chandigarh as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

NATHU RAM SHARMA,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Haryana,
Faridabad.

सन राइज वूलन एव सिल्क मिल्स, 20/4 मथुरा रोड, फरीदाबाद के प्रबन्धकारों और कारगारों के बीच इन्डस्ट्रीयल डिस्पयूटस एक्ट, 1947 की धारा 12(3) के अन्तर्गत समझौता।

प्रबन्धकों की ओर से ठाकुर महेन्द्र सिंह (मैनेजर)।

कारगारों की ओर से –

(1) श्री मातावदन .. सैक्रेटरी

(2) श्री सखपाल .. उपप्रधान

(3) श्री गंगा दीन

(4) श्री लाल चन्द

(5) श्री रणबीर सिंह

(6) श्री देवतादीन ।

पद अधिकारी सोवरिन निट वर्कस एम्पलाईज यूनियन ।

संक्षिप्त विवरण---

यह है कि उपरोक्त यूनियन ने प्रबन्धकों को एक मांग पत्र दिनांक 27 नवम्बर, 1978 को दिया जिसके ऊपर लेबर आफिसर-कम-कन्सीलेशन आफिसर, फरीदाबाद के दफ्तर में कार्यवाही चल रही है और 1977-78 के बोनस का विवाद इन्डस्ट्रीयल ट्रिब्यूनल, हरियाणा, फरीदाबाद की अदालत को निर्णय हेतु सौंपा गया है ।

दोनों पक्षों ने आपसी बातचीत द्वारा सभी विवादों का लेबर आफिसर एवं कन्सीलेशन आफिसर की मौजूदगी में निम्नलिखित समझौता तय पाया गया :---

(1) यह है कि प्रबन्धकों ने ऐसे सभी कारीगरों का जिन का वेतन 500 रुपये या 500 रुपये प्रति मास से कम है और जिन की सेवाएं कारखाने में एक साल से ऊपर हो गई हैं, ऐसे सभी कारगारों को 20 रु० प्रति मास दिसम्बर, 1978 से देना मान लिया है ।

इस एडहाक इन्करीज से यूनियन की मंहगाई भत्ते की मांग जोकि मांग-पत्र की चार नम्बर पर है, पूरी तरह से पूरी हो जाती है ।

(2) यह है कि उपरोक्त मांग पूरी होने के कारण यूनियन मकान का किराया, साईकिल अलाउन्स और ग्रेडस एवं स्केल की मांग जोकि मांग-पत्र में 1, 2, 3 नम्बर पर हैं को छोड़ती है और यह है तीनों मांगें वापिस लेती हैं ।

(3) सात तारीख को वेतन का दिया जाना और ओवर टाईम का दुगना पैसा दिया जाना क्योंकि इन दोनों मांगों के लिए पहले ही कानून बना हुआ है, इसलिए यूनियन इन दोनों मांगों को जोकि मांग-पत्र के 5 और 7 नम्बर पर मांग पत्र से अलग करती है और वापिस लेती है ।

(4) दोनों पक्षों ने यह तय पाया कि सभी श्रमिकों को सन् 1977-78 का बोनस इस साल के कमाए हुए वेतन का 12 प्रतिशत दिया जाएगा और यह बोनस पेमैन्ट आफ बोनस एक्ट, 1965 के अन्तर्गत दिया जाएगा और प्रबन्धक इस का भुगतान इस महीने (मार्च के) महीने के अन्त तक कर देंगे ।

(5) दोनों पक्षों ने यह भी सहमति से आपस में फैसला किया कि प्रबन्धक सन् 1978-79 का बोनस इस साल के कमाए हुए पेमैन्ट आफ बोनस एक्ट, 1965 के अन्तर्गत 13 प्रतिशत दिया जाएगा और बोनस की आगामी मांग का भी निपटारा कर लिया है । और इस का भुगतान दिवाली पर कर दिया जाएगा ।

(6) प्रबन्धकों ने यह भी माना है कि सभी श्रमिकों को नैशनल और फैस्टीवल होलीडेज आठ से बढ़ा कर नौ कर दी हैं । और यह एक बढ़ाई हुई छुट्टी जन्माष्टमी के त्यौहार की दी जायेगी ।

(7) दोनों पक्षों में सहमति है कि एम्पलॉई इन्डस्ट्री होने के कारण लम्बे अरसे तक शांतीपूर्ण काम का होना बहुत जरूरी है और इसी सिद्धान्त को सामने रखते हुए इस समझौते की अवधि सितम्बर 1980 तक रहेगी, क्योंकि अगले साल के बोनस के विवाद का भी समझौता हो गया है ।

यूनियन और श्रमिक यह मानते हैं कि अक्तूबर, 1980 तक वो प्रबन्धकों के सामने कोई ऐसी मांग नहीं रखेंगे जिससे कम्पनी के ऊपर किसी तरह का फाईनेन्सीयल बोझ पड़े । श्रमिक यह यकीन दिलाते हैं कि वो पूरी लगन से ज्यादा से ज्यादा उत्पादन बढ़ायेंगे । और इस समझौते की अवधि में कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे कारखाने के अनुशासन या उत्पादन में कोई फर्क पड़े । प्रबन्धकों ने यह भी मान लिया है कि जिन कामगारों का कार्यकाल एक साल पूरा हो चुका है उन को परमानैन्ट किया जाए । यूनियन अन्य सभी मांगों को वापिस लेती है ।

इस फैसले की एक प्रतिलिपि इन्डस्ट्रीयल ट्रिब्यूनल, हरियाणा, फरीदाबाद की अदालत में पेश की जाएगी ताकि ट्रिब्यूनल का एवार्ड इस समझौते के मुताबिक दिया जाएगा।

दोनों पक्ष इस समझौते की शर्तों को सही मानते हुए आज दिनांक 13 मार्च, 1979 को हस्ताक्षर करते हैं।

प्रबन्धकों की ओर से हस्ताक्षर	यूनियन और कामगारों की ओर से हस्ताक्षर
(1) Sd/- Thakur Mohinder Singh.	(1) Sd/- Mata Badan.
(2)	(2) Sd/- Sukh Pal
	(3) Sd/- Gangadeen.
	(4) Sd/- Dal Chand
	(5) Sd/- Ranbir Singh
	(6) Sd/- Devtadeen.

साक्षीगण :—

1.

2.

No. 11(112)-3Lab-79/8189.—In pursuance of the provision of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act No. XIV of 1947), he Governor of Haryana is pleased to publish the following award of the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Faridabad, in respect of the dispute between the workmen and the management of M/s. Fancy Nylon Fabrics Faridabad.

BEFORE SHRI NATHU RAM SHARMA, PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL HARYANA FARIDABAD

Reference No. 58 of 1979

between

THE WORKMEN AND THE MANAGEMENT OF M/S. FANCY NYLON FABRICS, FARIDABAD.

Present :

Shri Adarsh Kishore for the workmen.

Shri S. L. Gupta for the management.

AWARD

By order No. 128-78/5368, dated 6th February, 1979, the Governor of Haryana referred the following dispute between the management of M/s. Fancy Nylon Fabrics, Faridabad and its workmen, to this Tribunal, for adjudication, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947:—

Whether the workmen are entitled to the grant of bonus for the year 1977-78 ? If so, with what details ?

On receipt of the order of reference, notices were issued to the parties. The parties appeared, settled the dispute and filed the settlement. I have gone through the settlement. It is just and proper. I give my award in terms of the settlement. The settlement shall form part of the award.

NATHU RAM SHARMA

Dated 13th July, 1978.

Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Haryana,
Faridabad.

No. 673, dated the 21st July, 1979

Forwarded (four copies alongwith four copies of settlement) to the Secretary to Government Haryana Labour & Employment Departments, Chandigarh, as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

NATHU RAM SHARMA,

Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Haryana,
Faridabad.

फैन्सी नाईलौन फेबरिक्स मैनूफैकचरिंग कम्पनी 20/4, मथुरा रोड़, फरीदाबाद, के प्रबन्धकारी और कामगार के बीच इन्डस्ट्रीयल डिस्प्यूट एक्ट, 1947 की धारा 12(3) के अन्तर्गत समझौता

प्रबन्धकों की ओर से श्री ठाकुर महेन्द्र सिंह (मैनेजर) ।

कारगरों की ओर से—

(1) श्री माता बदन .. सैक्रेटरी

(2) सुखपाल .. उप-प्रधान

(3) श्री गंगा दीन

(4) श्री डाल चन्द

(5) श्री रणवीर सिंह

(6) श्री देवतादीन

पदाधिकारी सोवरिन निट वर्कस एम्पलाईज यूनियन ।

संक्षिप्त विवरण :

यह है कि उपरोक्त यूनियन ने प्रबन्धकों को एक मांग पत्र दिनांक 27 नवम्बर, 1978 को दिया जिसके ऊपर लेबर आफिसर-कम-कन्सीलेशन आफिसर, फरीदाबाद, के दफ्तर में कार्यवाही चल रही है । और 1977-78 के बोनस का विवाद इन्डस्ट्रीयल ट्रिब्यूनल, हरियाणा, फरीदाबाद की अदालत को निर्णय हेतु सौंपा गया है ।

दोनों पक्षों ने आपसी बातचीत द्वारा सभी विवादों का लेबर आफिसर एवं कन्सीलेशन आफिसर की मौजूदगी में निम्नलिखित समझौता तय पाया गया :—

समझौते की शर्तें :

(1) यह कि प्रबन्धकों ने ऐसे सभी कारगरों का जिन का वेतन 500 रुपये या 500 रुपये प्रतिमास से कम है, और जिन की सेवाएं कारखाने में एक साल से ऊपर हो गई हैं, ऐसे सभी कारगरों को 20 रु० प्रति मास दिसम्बर, 1978 से देना मान लिया है ।

इस एडहाक इन्क्रीज से यूनियन की मंहगाई भत्ते की मांग जोकि मांग पत्र की चार नम्बर पर है, पूरी तरह से पूरित हो जाती है ।

(2) यह है कि उपरोक्त मांग पूरी होने के कारण यूनियन मकान का किराया, साईकिल अलाउन्स और ग्रेडस एवं स्केल की मांग जोकि मांग पत्र में एक, 1, 2, 3 नम्बर पर हैं को छोड़ती है और यह तीनों मांगें वापिस लेती है ।

(3) सात तारीख को वेतन दिया जाना, ओवर टाईम का दुगना पैसा दिया जाना क्योंकि इन दोनों मांगों के लिए पहले ही कानून बना हुआ है, इसलिए यूनियन का दोनों मांगों को जोकि मांग पत्र के 5 और 7 नम्बर पर हैं, मांग पत्र से अलग कर ली हैं और वापिस लेती है ।

(4) दोनों पक्षों ने यह तय पाया कि सभी श्रमिकों को सन 1977–78 का बोनस इस साल के कमाए हुए वेतन का 12 प्रतिशत दिया जाएगा और यह बोनस पेमेन्ट आफ बोनस एक्ट, 1965 के अन्तर्गत दिया जाएगा। और प्रबन्धक इस का भुगतान इस महीने (मार्च के) महीने के अन्त तक कर देंगे।

(5) दोनों पक्षों ने यह भी सहमति से आपस में फैसला किया कि प्रबन्धक सन 1978–79 का बोनस इस साल के कमाए हुए वेतन का पेमेन्ट आफ बोनस एक्ट, 1965 के अन्तर्गत 13 प्रतिशत दिया जाएगा और बोनस की आगामी मांग का भी निपटारा कर लिया है। और इस का भुगतान होली पर कर दिया जाएगा।

(6) प्रबन्धकों ने यह भी माना है कि सभी श्रमिकों को नैशनल और फैस्टीवल हॉलीडेज आठ से बढ़ा कर नौ कर दी हैं और यह एक बढ़ाई हुई छुट्टी जन्माष्टमी के त्यौहार की दी जायेगी।

(7) प्रबन्धकों ने यह भी मान लिया है कि एम्बराइडरी खाते में कमान्डर और असिस्टेन्टस को दो सूती ऐपरन दिए जायेंगे। यूनियन मांग पत्र की मांग नं. 9 और 11 को वापिस लेती है।

(8) दोनों पक्षों में सहमति है कि यह एक्सपोर्ट इन्डस्ट्री होने के कारण लम्बे अरसे तक शांति पूर्ण काम का होना बहुत जरूरी है और इसी सिद्धान्त को सामने रखते हुए इस समझौते की अवधि सितम्बर 1980 तक रहेगी, क्योंकि अगले साल के बोनस के विवाद का भी समझौता हो गया है।

यूनियन और श्रमिक यह मानते हैं कि अक्तूबर, 1980 तक वो प्रबन्धकों के सामने कोई ऐसी मांग नहीं रखेंगे जिससे कम्पनी के ऊपर किसी तरह का फाईनेन्सीयल बोझ पड़े। श्रमिक यह यकीन दिलाते हैं कि वो पूरी लगन से ज्यादा से ज्यादा उत्पादन बढ़ायेंगे। और इस समझौते की अवधि में कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे कारखाने के अनुशासन या उत्पादन में कोई फर्क पड़े। प्रबन्धकों ने यह भी मान लिया है कि जिन कामगारों का कार्यकाल एक साल पूरा हो चुका है उन को परमानैन्ट किया जाएगा।

इस फैसले की एक प्रतिलिपि इन्डस्ट्रीयल ट्रिब्यूनल, हरियाणा, फरीदाबाद की अदालत में पेश की जाएगी ताकि ट्रिब्यूनल का एवार्ड इस समझौते के मुताबिक दिया जाए।

दोनों पक्ष समझौते की शर्तों को सही मानते हुए आज दिनांक 13 मार्च, 1979 को हस्ताक्षर करते हैं।

प्रबन्धकों की ओर से हस्ताक्षर

(1) (Sd.) Thakar Mohinder Singh

यूनियन और कामगारों की ओर से हस्ताक्षर

(1) (Sd.) Mata Badan
(2) (Sd.) Sukhpal
(3) (Sd.) Gangadeen
(4) (Sd.) Dal Chand
(5) (Sd.) Ranbir Singh
(6) (Sd.) Devtadeen

No. 11(112)-3Lab-79/8190.—In pursuance of the provision of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act No. XIV of 1947), the Governor of Haryana is pleased to publish the following award of the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Faridabad, in respect of the dispute between the workman and the management of M/s. Sovrin Knit Works, Faridabad:—

BEFORE SHRI NATHU RAM SHARMA, PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, HARYANA, FARIDABAD

Reference No. 60 of 1979

between

THE WORKMEN AND THE MANAGEMENT OF M/S. SOVRIN KNIT WORKS, FARIDABAD

Present.—

Shri Adarsh Kishore, for the workman.

Shri S. L. Gupta, for the management.

AWARD

By order No. FBD/128-78/5362, dated 6th February, 1978, the Governor of Haryana referred the following dispute between the management of M/s. Sovrin Knit Works, Faridabad, and its workmen to this Tribunal, for adjudication, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 : —

"Whether the workmen are entitled to the grant of bonus for the year 1977-78 ? If so, with what details ?

On receipt of the order of reference, notices were issued to the parties. The parties appeared, settled the dispute and filed the settlement. I have gone through the settlement. It is just and proper. I give my award in terms of the settlement. The settlement shall form part of the award.

The 13th July, 1979.

NATHU RAM SHARMA,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Haryana,
Faridabad.

No. 672, dated 21st July, 1979

Forwarded (four copies alongwith four copies of the settlement) to the Secretary to Government, Haryana, Labour & Employment Departments, Chandigarh, as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

NATHU RAM SHARMA,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Haryana,
Faridabad.

सोवरिन निट वर्कस 20/4 मथुरा रोड फरीदाबाद के प्रबन्धक और कारीगरों के बीच इन्डस्ट्रीयल डिस्पयूट एक्ट, 1947 की धारा 12(3) के अन्तर्गत समझौता ।

प्रबन्धकों की ओर से श्री ठाकुर महिन्द्र सिंह (मैनेजर) ।

कामगरों की ओर से :—

(1) श्री मातावदन (सचिव)

(2) श्री सुखपाल (उप-प्रधान)

(3) श्री गंगा दीन

(4) श्री डाल चन्द

(5) श्री रणवीर सिंह

(6) श्री देवतादीन

पदाधिकारी सोवरिन निट वर्कस एम्पलाईज यूनियन ।

संक्षिप्त विवरण

यह कि उपरोक्त यूनियन ने प्रबन्धकों को एक मांग पत्र दिनांक 27 नवम्बर, 1978 को दिया जिसके ऊपर लेबर आफिसर-कम-कन्सीलेशन आफिसर के दफ्तर में कार्यवाही चल रही है और 1977–78 के बोनस का विवाद इन्डस्ट्रीयल ट्रिब्यूनल हरियाणा, फरीदाबाद की अदालत को निर्णय हेतु सौंपा गया है ।

दोनों पक्षों ने आपसी बातचीत द्वारा सभी विवादों को लेबर आफिसर एवं कन्सीलेशन आफिसर की मौजूदगी में निम्नलिखित समझौता तय पाया :—

समझौते की शर्तें—

यह कि प्रबन्धकों ने ऐसे सभी कामगारों को जिन का वेतन 500 रुपये या 500 रुपये प्रतिमास से कम है और जिन की सेवाएं कारखाने में एक साल से ऊपर हो गई हैं, ऐसे सभी कामगारों को 20 रुपये प्रति मास दिसम्बर, 1978 से देना मान लिया है । इस एडहाक इनकरीज से यूनियन की मंहगाई भत्ते की मांग जोकि मांग पत्र की चार नम्बर पर है, पूरी तरह से पूरी हो जाती है ।

यह कि उपरोक्त मांग पूरी होने के कारण यूनियन मकान का किराया; साईकिल अलाउन्स और ग्रेडस एण्ड स्केल की मांग जोकि मांग पत्र में 1, 2, 3 नम्बर पर की छोड़ती है। और यह तीनों मांगें वापिस लेती है। सात तारीख को वेतन का दिया जाना और ओवर टाईम का दुगना पैसा दिया जाना क्योंकि इन दोनों मांगों के लिए पहले ही कानून बना हुआ है, इसलिए यूनियन यह दोनों मांगें जोकि मांग पत्र के 5 और 7 नम्बर पर है, मांग पत्र से अलग करती है और वापिस लेती है।

दोनों पक्षों ने यह तय पाया कि सभी श्रमिकों को सन् 1977-78 का बोनस इस साल के कमाए हुए वेतन का 12 प्रतिशत दिया जाएगा। यह बोनस पेमैन्ट आफ बोनस एक्ट, 1965 के अन्तर्गत दिया जाएगा। और प्रबन्धक इसका भुगतान इस महीने (मार्च के) महीने के अन्त तक कर देंगे।

दोनों पक्षों ने यह भी सहमति से आपस में फैसला किया कि प्रबन्धक सन् 1978-79 का बोनस इस साल के कमाए हुए वेतन का पेमैन्ट आफ बोनस एक्ट 1965 के अन्तर्गत 13 प्रतिशत दिया जाएगा और बोनस की आगामी मांग का भी निपटारा कर लिया है और इस का भुगतान दीवाली पर कर दिया जाएगा। प्रबन्धकों ने यह भी माना कि सभी श्रमिकों को नैशनल और फैस्टीवल हॉलीडेस आठ से बढ़ा कर नौ कर दी हैं और यह एक बढ़ाई हुई छुट्टी जन्माष्टमी के त्यौहार की दी जायेगी।

प्रबन्धकों ने यह भी मान लिया है कि वर्कशाप के फिटर और खरादियों को साल में दो सूती वर्दियां और वय्यालर पर कोल मैन और फायर मैन को दो सूती वर्दियां और कैमिकल स्टोर के हैल्पर को भी दो सूती वर्दियां दी जायेंगी इसके अतिरिक्त एम्बाराडरी खाते में दमाकर और असिस्टैन्ट को दो सूती ऐपरन दिए जायेंगे।

यूनियन मांग पत्र की मांग नं. 9 और 11 को वापिस लेती है। दोनों पक्षों ने सहमति है कि यह एक्सपोर्ट इन्डस्ट्री होने के कारण लम्बे अरसे तक शांतीपूर्ण काम का होना बहुत जरूरी है और इसी सिद्धान्त को सामने रखते हुए इस समझौते की अवधि अक्तूबर/सितम्बर 1980 तक रहेगी, क्योंकि अगले साल के बोनस के विवाद का भी समझौता हो गया है। यूनियन और श्रमिक मानते हैं कि अक्तूबर, 1980 तक वो प्रबन्धकों के सामने कोई ऐसी मांग नहीं रखेंगे जिससे कम्पनी के ऊपर फाईनैन्शीयल बोझ पड़े। श्रमिक यह यकीन दिलाते हैं कि वो पूरी लगन से ज्यादा से ज्यादा उत्पादन बढ़ायेंगे और इस समझौते की अवधि में कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे कारखाने के अनुशासन या उत्पादन में कोई फर्क पड़े। प्रबन्धकों ने यह भी मान लिया है कि जिन कामगारों का कार्यकाल एक साल पूरा हो चुका है उन को परमानैन्ट किया जाए।

इस फैसले की एक प्रतिलिपि इन्डस्ट्रीयल ट्रिब्यूनल, हरियाणा, फरीदाबाद की अदालत में पेश की जाएगी ताकि ट्रिब्यूनल का एवार्ड इस समझौते के मुताबिक दिया जाएगा।

दोनों पक्ष इस समझौते की शर्तों को सही मानते हुए आज दिनांक 13 मार्च, 1979 को हस्ताक्षर करते हैं।

प्रबन्धकों की ओर से हस्ताक्षर	यूनियन और कामगारों की ओर से हस्ताक्षर
(1) Sd/- Thakur Mohinder Singh	(1) Sd/- Matabadan
(2)	(2) Sd/- Sukh Pal
	(3) Sd/- Gangadeen
	(4) Sd/- Dal Chand
	(5) Sd/- Ranbir Singh
	(6) Sd/- Devtadeen

No. 11(112)-3Lab-79/8191.—In pursuance of the provision of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act No. XIV of 1947) the Governor of Haryana is pleased to publish the following award of the Presiding Officer, Industrial Tribunal Faridabad in respect of the dispute between the workmen and the management of M/s Tiger Locks Limited, Gurgaon.

BEFORE SHRI NATHU RAM SHARMA, PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, HARYANA, FRIDABAD

Reference No. 5 of 1979

between

THE WORKMEN AND THE MANAGEMENT OF M/S TIGER LOCKS, LIMITED, GURGAON

Present:—

Shri Adarsh Kishore for the workmen.

Shri M.P. Gupta for the management.

AWARD

By order No. GGN/28-78/777, dated 5th January, 1979 the Governor of Haryana, referred the following dispute between the management of M/s. Tiger Locks, Limited, Gurgaon, and its workmen, to this Tribunal, for adjudication, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947:—

"Whether the lay off of all the workmen w.e.f. 30th October, 1978 onwards is justified and in order ? If not, to what relief they are entitled?

On receipt of the order of reference, notices were issued to the parties. The parties appeared and their dispute was settled. I have gone through the settlement which is justified and proper. I accept it and give my award in terms of the settlement. The settlement shall form part of the award.

Dated, the 13th July, 1979.

NATHU RAM SHARMA,
Presiding Officer, Industrial Tribunal, Haryana, Fridabad.

Endstt. No. 671, dated the 21st July, 1979.

Forwarded (four copies along with four copies of settlement) to the Secretary to Goverment, Haryana, Labour and Employment Departments, Chandigarh as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

NATHU RAM SHARMA,
Presiding Officer, Industrial Tribunal, Haryana, Fridabad.

Agreement between Section 18 of Industrial Disputes Act between Workmen of Tiger Locks Ltd., Gurgaon and Management.

Employees Represented by 1. Indraj Singh

2. Panchu Gopal

Management represented by Shri S. C. Sharma, Manager

Recitals:—

That during the year 1977-78, 1978-79 there have been huge losses in the Company. This was chiefly due to acute shortage of orders and working capital, etc., the factory could not run smoothly and in the month of Oct., 1978, the management had to lay off/close down the factory. The workmen have been approaching the management from time to time to restart the factory. Now, the management has discussed the financial issue with Banking authorities and on their assurance as well as the workers the management has restarted the factory.

Now, the management wishes that the factory should run efficiently and there should be a spirit of cordial relationship with the workmen and management. Now, in order to maintain the cordial relations of employer and employees both parties agree as follows:—

1. PENDING DISPUTES:—

On the request of the workmen, the factory has restarted and almost all the workers reported for duty, therefore, there does not remain any dispute of any kind between the Management and its workmen. Now, in order to maintain cordial relations, it has been decided that all disputes including lay off dispute pending before the Tribunal/Labour Court may be withdrawn and for this the workmen have authorised Shri Inderaj Singh and shri Panchu Gopal (Authority letter attached) to make necessary statement before Hon'ble Industrial Tribunal/Labour Court for withdrawal of the cases.

2. SETTLEMENT OF FUTURE DEMANDS/DISPUTES:

It has further been decided that a Grievance Committee consists of five members of the workmen should be formed by the Management in consultation with the workmen and all disputes, differences, if any, should be settled by the Grievance Committee with the Management and decision taken by the Crievance Committee shall be binding on all the workers.

3. WAGES:

That minimum wages (revised) have been implemented. The workmen have further approached the Management that even the present wages are not sufficient to meet out their expenses during the days of increasing costs. Therefore the Management should frame production incentive scheme which should be worked out by time and motion study so that the workmen can have benefit from their capibilities of giving higher production. The Management has accepted the proposal of framing production incentive scheme and same should be put up before the Grievance Committee for its approval at the earliest.

That all the workmen and the Management shall be bound with this agreement.

Dated, the 27th June, 1979

Management S.C. Sharma, Manager

Employees Represented by
Indraj Singh & Panchu Gopal
1. (Sd.) Indraj Singh 2. (Sd.) P. G. N.

Copy forwarded to:—

1. Labour Secretary, Haryana Govt., Chandigarh.
2. The Labour & Conciliation Officer, Gurgaon.
3. The Labour Commissioner, Haryana, Chandigarh.
4. The Labour Inspector.
5. Copy to Workmen's Representative.
6. Copy to Notice Board.

Sd/- Satish Chandra Sharma

Management

Workmen

Sd/ - P. G. Neskar

Sd/ - Indraj Singh

Witnesses

The 4th September, 1979

No. 11(112)-79-3Lab/8778.—In pursuance of the provision s of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act No. XIV of 1947), the Governor of Haryana is pleased to publish the following award of the presiding Officer, Labour Court, Rohtak, in respect of the dispute between the workmen and the management of M/s Hindustan Sanitaryware and Industries Ltd. Bahadurgarh (Rohtak).

BEFORE SHRI BABU RAM GOYAL, PRESIDING OFFICER, LABOUR COURT, HARYANA, ROHTAK

Reference No. 61 of 1979

between

SHRI GHEESA LAL, WORKMAN AND THE MANAGEMENT OF M/S HINDUSTAN SANITARYWARE AND INDUSTRIES LTD., BAHADURGARH (ROHTAK)

Present.—

Shri Chander Singh, for the workman.

Shri J. L. Dhar, Personnel Officer, for the management.

AWARD

By order No. ID/RTK/33-79/11461, dated 12th March, 1979, the Governor of Haryana referred the following dispute between the management of M/s. Hindustan Sanitaryware and Industries Ltd., Bahadurgarh and its workman Shri Gheesa Lal to this Court, for adjudication in exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947:—

Whether the termination of service of Shri Gheesa Lal, was justified and in order? If not, to what relief is he entitled?

On receipt of order of reference, notices were issued to the parties. The management appeared and filed the photostat copies of some documents showing that the applicant left the services of the management voluntarily after clearing his accounts. The workman was summoned time and again but he did not appear and no claim statement was filed on behalf of the workman. On 12th July, 1979, Shri Chander Singh who did not have any authority of the workman who has been appearing on behalf of the workman right from the beginning stated that the workman has gone to U. P. without leaving his address and is not traceable and it was not possible to file the claim statement. In these circumstances the reference is dismissed in default for non-prosecution by the workman and the reference is returned with no dispute award.

Dated the 28th July, 1979.

BABU RAM GOYAL,
Presiding Officer,
Labour Court, Haryana,
Rohtak.

(Endst. No. 1872, dated the 3rd August, 1979.

Forwarded, (four copies) to the Secretary to Government of Haryana, Labour and Employment Departments, Chandigarh, as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

BABU RAM GOYAL,

Presiding Officer,
Labour Court, Haryana,
Rohtak.

No. 11(112)-79/3Lab-79/10454.—In pursuance of the provisions of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act No. XIV of 1947), the Governor of Haryana is pleased to publish the following award of the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Faridabad, in respect of the dispute between the workman and the management of M/s. Delhi Faridabad Textile Mills, 20/5, Mathura Road, Faridabad.

BEFORE SHRI NATHU RAM SHARMA, PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, HARYANA, FARIDABAD

References Nos. 160 to 167 of 1979

between

S/SHRI RADHEY SHYAM, REKHI, HORI LAL, PRAKASH BIR, VIDHYA DHAR, BUDH RAM, BALI RAM, AND BALKESHWAR PARSHAD WORKMEN AND THE MANAGEMENT OF M/S DELHI FARIDABAD TEXTILES MILLS, 20/5, MATHURA ROAD, FARIDABAD

Present.—

None for the workmen.

Shri R.C. Sharma, for the management.

AWARD

By orders Nos. ID/FD/11-79/22118, dated 21st May, 1979, ID/FD/11-79/22112, dated 21st May, 1979, ID/FD/11-79/22106, dated 21st May, 1979, ID/FD/11/79/22100, dated 21st May, 1979, ID/FD/11/79/22094, dated 21st May, 1979, ID/FD/11-79/22088, dated 21st May, 1979, ID/FD/10-79/22082, dated 21st May, 1979 and ID/FD/10-79/22076, dated 21st May, 1979, and its workmen S/Shri Radhey Shyam, Rekhi, Hori Lal, Prakash Bir, Vidhya Dhar, Budh Ram, Bali Ram, and Balkeshwar Parshad, to this Tribunal, for adjudication, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

Whether the termination of services of S/Shri Radhey Shyam, Rekhi, Hori Lal, Prakash Bir, Vidhya Dhar, Budh Ram, Bali Ram and Balkeshwar Parshad were justified and in order ? If not, to what relief are they entitled?

On receipt of the order of references, notices were issued to the parties The parties appeared. The management produced full and final settlement receipts signed by the workmen by which the workman resigned their jobs and the management accepted their resignations and the workmen received their dues and claims to the tune of amounts shown below against their names :

	Name of the workman	*Amount*
1.	Radhey Shyam	792-07
2.	Rekhi	964.27
3.	Hori Lal	1,126-99
4.	Prakash Bir	996-65
5.	Vidhya Dhar	700-12
6.	Budh Ram	859-20
7.	Bali Ram	929-16
8.	Balkeshwar Parshad	994-32

The receipts further state that the workmen had no claims or dues whatsoever after that receipt, nor there was any dispute with the management. The representative for the workmen was then asked to produce the workmen. On the last date of hearing, neither the workmen appeared, nor their representative.

In these circumstances, I give my award that no dispute exists between the parties at present and the workmen have received all their dues and claims as given above.

NATHU RAM SHARMA,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Haryana.
Faridabad.

Dated the 13th August, 1979.

No. 804, dated the 19th August, 1979

Forwarded (four copies) to the Secretary to Government, Haryana, Labour and Employment Departments, Chandigarh, as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

NATHU RAM SHARMA,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Haryana,
Faridabad.

H. L. GUGNANI, Secy.

38069 CS(H)—Govt. Press, Chd.